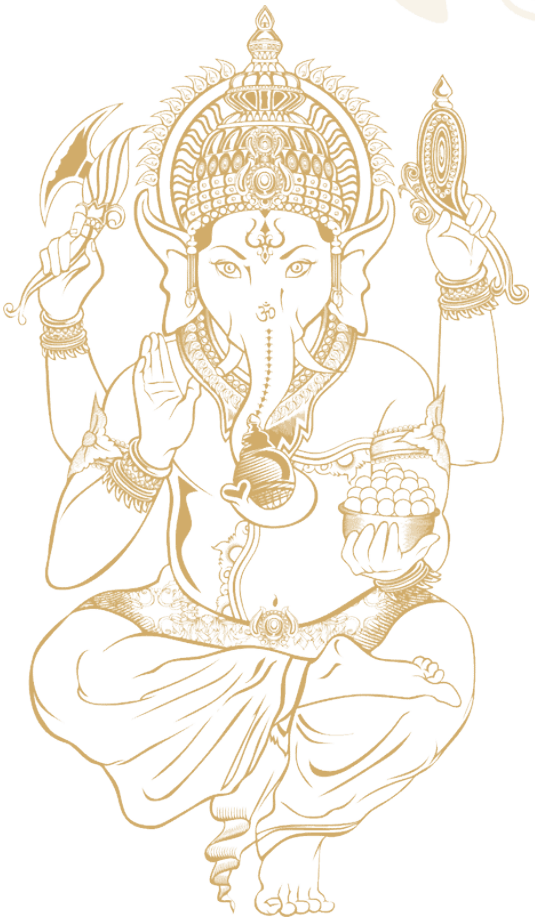

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/06/1991	जन्म तिथि	15/07/1996
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 20:14:00	जन्म समय	17:25:00 घंटे
घटी 37:00:06	जन्म समय(घटी)	29:39:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:25:57	सूर्योदय	05:33:16
19:22:49	सूर्यास्त	19:20:36
23:44:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 5मा 27दि	27:20:04	धनु	लग्न	धनु	02:26:31	गुरु 7वर्ष 0मा 8दि
गुरु	13:37:27	मिथु	सूर्य	मिथु	29:27:10	बुध
25/12/2025	10:40:45	मक	चंद्र	मिथु	27:28:50	24/07/2022
25/12/2041	26:33:20	कर्क	मंगल	वृष	29:12:36	25/07/2039
गुरु 12/02/2028	27:44:06	मिथु	बुध	कर्क	04:16:59	बुध 20/12/2024
शनि 26/08/2030	20:21:15	कर्क	गुरु व	धनु	17:33:32	केतु 17/12/2025
बुध 30/11/2032	27:55:44	कर्क	शुक्र	वृष	21:01:55	शुक्र 17/10/2028
केतु 06/11/2033	11:40:32	मक व	शनि	मीन	13:34:52	सूर्य 23/08/2029
शुक्र 07/07/2036	25:09:10	धनु	राहु व	कन्या	17:35:29	चन्द्र 23/01/2031
सूर्य 26/04/2037	25:09:10	मिथु	केतु व	मीन	17:35:29	मंगल 20/01/2032
चन्द्र 26/08/2038	18:16:31	धनु व	हर्ष व	मक	09:11:08	राहु 09/08/2034
मंगल 01/08/2039	21:51:50	धनु व	नेप व	मक	02:38:34	गुरु 13/11/2036
राहु 25/12/2041	24:03:13	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	06:42:21	शनि 25/07/2039

लग्न-चलित

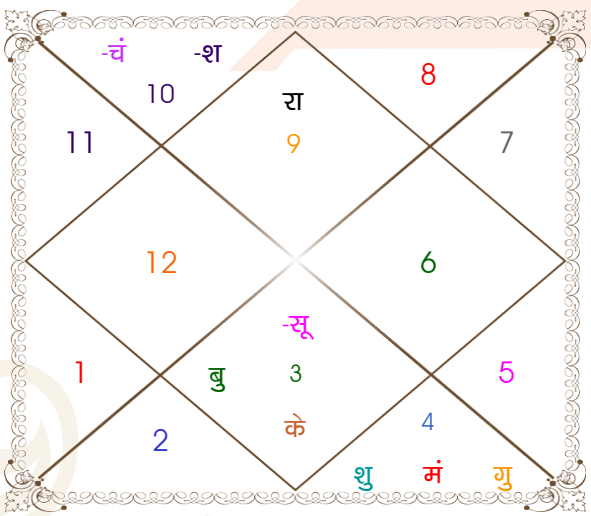

लग्न-चलित

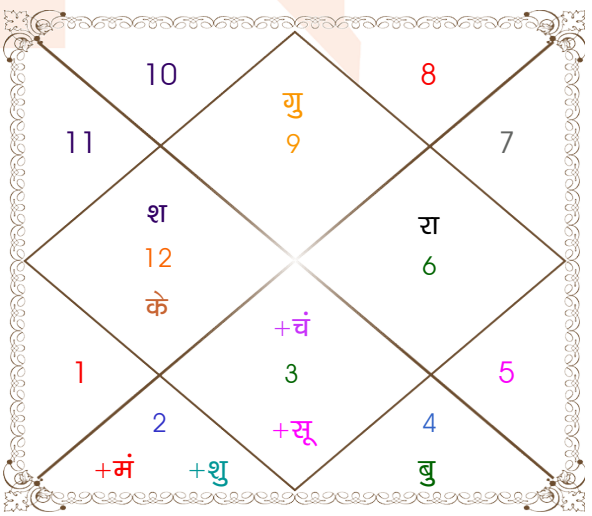

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।